

प्रेषक,

नम्रता कुमार,
अपर सचिव,

सेवा में,

समस्त मुख्य विकास अधिकारी,
उत्तरांचल,
समस्त परियोजना निदेशक,
जिला ग्राम्य विकास अभिकरण,
उत्तरांचल.

ग्राम्य विकास शाखा: देहरादून दिनांक: 23 नवम्बर, 2002

विषय:- स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह के गठन के संबंध में।

महोदय,

आप अवगत ही हैं कि उपरोक्त योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के स्वयं सहायता समूह गठित कर आर्थिक विकास हेतु लाभान्वित किया जाना था तथा कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर समूहों में लाभार्थियों की संख्या 10 से 20 के बीच रखी जानी थी। प्रौढीय क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में इस व्यवस्था में परिवर्तन कर लाभार्थियों की संख्या को समूह गठन हेतु 5 करने का पूर्व में निर्णय लिया गया था और आपको सूचित कर दिया गया था।

इस क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उपरोक्त व्यवस्था हेतु समूह गठन में लाभार्थियों की संख्या को 5 करने की भारत सरकार से भी स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। अतः तदनुसार परिपालन किया जाये।

भवदीया,
(नम्रता कुमार)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 554/ग्रा.वि.शा./2002 तद्दिनांक

प्रतिलिपि:

1. समस्त जिला अग्रणी बैंक अधिकारी, उत्तरांचल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
2. प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदय को सूचनार्थ.
3. सचिव महोदय, ग्राम्य विकास को सूचनार्थ

(नम्रता कुमार)
अपर सचिव